रेवाड़ी-हनुमानगढ़ ट्रैक के विद्युतीकरण का काम शुरू, लक्ष्य 2020

320 किमी ट्रैक पर खर्च होंगे 288 करोड़ रुपये, ट्रैक से नांगल मुंदी, डहीना, कनीना, महेंद्रगढ़, सतनाली, लोहारू वासियों को ज्यादा फायदा

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़। रेवाड़ी से हनुमानगढ़ ट्रैक पर 2020 में इलेक्ट्रिक ट्रेन दौड़ना शुरू हो जाएगी। बिजली के खंभे लगाने के लिए गड्ढे खोदने का काम शुरू हो चुका है। करीब 320 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर 288 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। दो चरण में काम पूरा किया जाएगा।

पहले चरण में रेवाड़ी से सादलपुर रेलवे ट्रैक पर काम चलेगा। 140 किलोमीटर इस ट्रैक का कार्य मार्च 2020 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यहां की खुदाई का काम पूरा होने के बाद सादलपुर से हनुमानगढ़ ट्रैक का काम शुरू होगा। इसके बाद खंभे लगाने और वायरिंग का काम पूरा होगा। इससे नांगल मुंदी, डहीना, कनीना, महेंद्रगढ़, सतनाली, लोहारू आदि क्षेत्र के लोगों को काफी फायदा होगा। रेवाड़ी से दिल्ली रेल ट्रैक पर इलेक्ट्रिक लाइन का कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। जिसका जनवरी में शुभारंभ होने की संभावना है।

इलेक्ट्रिक खंभे के लिए खोदा गया गड्ढा।

समय की बचत के साथ प्रदूषण भी होगा कम : इलेक्ट्रिक इंजन चलने से बीकानेर मंडल को काफी फायदा होगा। डिप्टी चीफ इंजीनियर (रेल विद्युतीकरण बीकानेर) ओमप्रकाश ने बताया कि डीजल आयात करना पड़ रहा है। देश में बिजली का काफी मात्रा में उत्पादन हो रहा है।

दूसरा डीजल के मुकाबले में बिजली सस्ती पड़ती है। इलेक्ट्रिक ट्रेन की रफ्तार भी डीजल इंजन से तेज है। इनकी स्पीड में भी अंतर होता है जिससे गंतव्य को जाने के लिए समय भी कम लगेगा।

केंद्र सरकार ने साल 2017-18 के बजट में की थी घोषणा

केंद्र सरकार की पूरे देश में इलेक्ट्रिक लाइन की योजना है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार ने 2017-18 के आम बजट में इस रेलवे ट्रैक को विद्युतीकरण करने की घोषणा की थी। इसके लिए 288 करोड़ रुपये की राशि बजट में मंजूर की थी। रेलवे बोर्ड की ओर से काम शुरू कर दिया है। रेलवे अधिकारियों की मानें तो इस प्रस्तावित इलेक्ट्रिक लाइन का कार्य 2020 तक पूर्ण करने की उम्मीद है।

यह होगा फायदा :

ट्रैक पर लगभग 28 पैसेंजर और एक्सप्रेस गाड़ियां चल रही हैं। इलेक्ट्रिक लाइन शुरू हो जाने पर ट्रैक पर गाड़ियों की संख्या बढ़ जाएंगी। साथ ही कुछ ट्रेनों का विस्तार भी किया जा सकता है। जिससे क्षेत्रवासियों को भरपूर फायदा मिलेगा। इसके अलावा समय की बचत भी होगी। अभी एक्सप्रेस गाड़ी दिल्ली से महेंद्रगढ़ की दूरी का लगभग तीन घंटे का समय लगती है। इलेक्ट्रिक ट्रेन चलने पर यह दूरी लगभग ढाई घंटे में ही पूरी हो जाएगी।

ऐसे चलेगा काम

रेवाड़ी से सादलपुर ट्रैक पर मार्च 2020 में इलेक्ट्रिक ट्रेन दौड़ना शुरू हो जाएंगी। अभी इस ट्रैक पर खंभे लगाने के लिए फाउंडेशन बेस तैयार किया जा रहा है। मार्च 2019 में ट्रैक पर खुदाई का काम पूरा होने के बाद खंभे लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद मई से वायरिंग का काम शुरू हो जाएगा। मार्च 2020 तक काम पूरा होने पर इलेक्ट्रिक इंजन दौड़ना शुरू हो जाएंगे। साथ ही सादलपुर से हनुमानगढ़ ट्रैक का काम भी जारी रहेगा।

वर्ष 2017-18 के आम बजट में रेवाड़ी-सादलपुर-हनुमानगढ़ रेलवे लाइन के विद्युतीकरण की घोषणा की थी। यह रेलवे ट्रैक लगभग 320 किलोमीटर लंबा है। इसके लिए 288 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। अभी खंभों के लिए खुदाई का काम चल रहा है। रेवाड़ी से सादलपुर रेलवे ट्रैक पर मार्च 2020 तक और सादलपुर से हनुमानगढ़ रेलवे ट्रैक पर अक्टूबर 2020 तक विद्युतीकरण का काम पूरा कर लिया जाएगा।

- ओमप्रकाश, डिप्टी चीफ इंजीनियर, रेलवे विद्युतीकरण श्रीकानेर मंडल।